फ़तह

हिंदी की मासिक पत्रिका

ATS VALLEY SCHOOL
EXPLORE LEARN LEAD

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

2022

(मार्च, 2022)

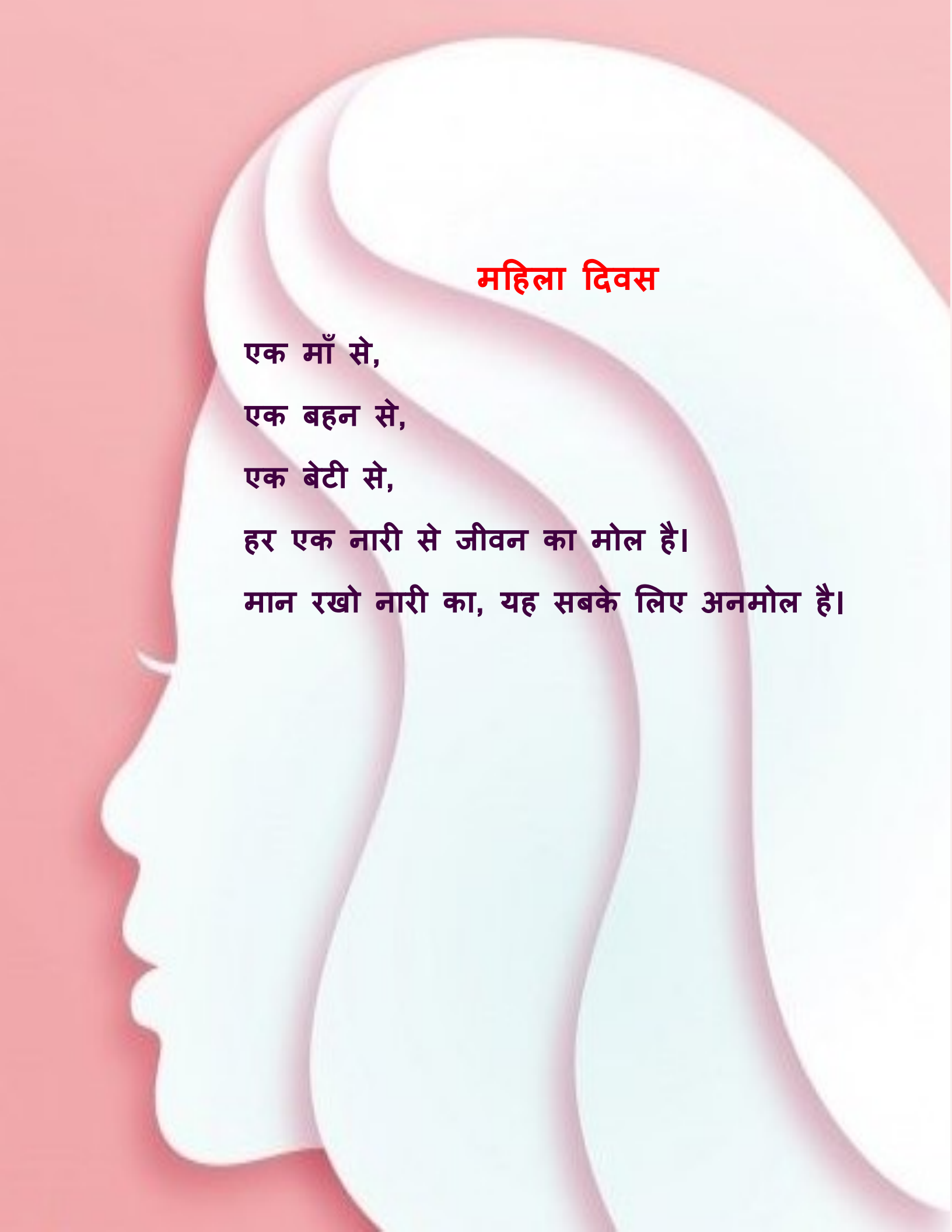

महिला दिवस

एक माँ से,

एक बहन से,

एक बेटी से,

हर एक नारी से जीवन का मोल है।

मान रखो नारी का, यह सबके लिए अनमोल है।

क्या कहूँ ऐ औरत तुझे मैं,
हर बात तेरी निराली है।
तुम एक ऐसा पौधा हो जिस भी घर रहो,
वहाँ हरियाली ही हरियाली है।
तुम्हारी शान में सिर्फ इतना कह सकते है,
तेरी ऊँचाईयों के सामने आसमान भी छोटा है।
मेरी सिर्फ इतना सा एक पैगाम है,
ऐ औरत!तुमको मेरा सिर झुका कर सलाम है।

मेहुल जैन (1अ)

माँ के रूप में नारी,
धरती पर सबसे पवित्र व प्यारी।
नारी को ईश्वर से भी बढ़कर माना जाता है ।
इसलिए 8 मार्च को पूरे विश्व में महिला दिवस
मनाया जाता है।

अधृत पवार (1अ)

नारी हूँ मैं आज की नारी हूँ
जो समझे मुझे कमजोर, मैं उस पर भारी हूँ।
कुछ नहीं है ऐसा, जो मैं कर ना पाऊ,
अपने किए कामों से, इस दुनिया को चोकाऊँ
करोगे सतकार तो ,माँ जैसे ममता लुटाऊँ
करोगे तिरस्कार तो, काली माँ बन जाऊँ
नारी हूँ मैं नारी हूँ.....

तनाज कालरा (2ब)

एक दिन नहीं हर दिन खास हो तुम !
हर जन का आधार हो तुम!
बिन तेरे सब रिश्ते बेजान है! नारी तू सबसे महान है !
नारी तू सबसे महान है!

हेज़ल चावला (2ब)

फूल जैसी कोमल नारी,
पत्थर जितनी कठोर नारी, अपनों की
हिफाज़त में सबसे अव्वल नारी।

आदया मित्तल (1ब)

नारी को देना सम्मान है,
नारी जगत में सबसे महान है।

कीथ हुसैन (6अ)

नारी है बहुत महान।
करती है घर का सम्मान।
नारी में है बहुत दम,
मत समझना इसको कम।
सोचती नहीं अपने बारे में,
रखती हमेशा सबका ध्यान।
महिला दिवस का रखो मान,
हर महिला का करो सम्मान।

आयुषी राजपूत (5अ)

औरत है महान।
करो उसका सम्मान।
जो औरत की कदर ना करते, उन्नति की ओर
कभी ना बढ़ते ।सब तरफ से खाते हार,
कोई ना उनको करता प्यार।
औरत है घर की शान।
करो सभी इसका सम्मान।

मन्नत (4ब)

एक महिला बहन है,बेटी है, माँ हमारी है।
सम्मान करो इसके हर रूप का,
हर रंग-रूप में यह प्यारी है।

ध्रुव चौहान (8अ)

हर रोज़ महिला दिवस मनाना,
हर महिला को सम्मान दिलाना।

ज़ौहेन (3अ)

माँ के रूप में नारी है ममता की मूरत,
बहन के रूप में लगे सबसे प्यारी सूरत।
इसके बिना नहीं दुनिया का अस्तित्व,
इसी सोच के साथ हमें मनाना चाहिए महिला दिवस।

गोबिंददीप (4अ)

आया समय नारी का,
युग निर्माण तुम्हें करना है।
आज़ादी की बनी नींव में,
तुम्हें उन्नति का पत्थर भरना है।

दक्ष गुलाटी (6अ)

महिलाओं ने भारत की शान बढ़ाई,
माउंट एवरेस्ट पर चढ़ और चाँद पर जाकर बहुत उपलब्धियाँ पाई।
खेल और विज्ञान में भी बहुत नाम कमाया,
पूरी दुनिया को घर से आसमान तक का सफ़र पूरा करके दिखाया।
आओ सभी महिलाओं के जीत का गीत गाए,
साथ मिलकर महिला दिवस को मनाए।

आकांक्षा वर्मा (8अ)

महिलाएं होती घर की शान,
तुम करो उनका सम्मान।
अपमान हमेशा सहती है,
क्यों घर-घर रोती रहती है?
अपनी इज़्ज़त अपने हाथ,
किसी और के भरोसे ना जीना नारी।
अपनी रक्षा खुद करो,
तुम्हारी रक्षा तुम्हारी अपनी जिम्मेदारी।

सक्षम (7अ)

एक दिन महिला दिवस मनाकर,
केवल उस दिन उसको सम्मान दिलाकर,
महिला दिवस मनाना सही बात नहीं,
हर पल, हर क्षण करो मान उसका।
महिला दिवस के ज़ज्बात यही।

रूद्र चौहान (10अ)

सब मिलकर नारी को सम्मान दिलाते हैं,
हर दिवस को महिला दिवस मनाते हैं।

पृषा (2ब)